RS-1601030101051502 Seat No. _____

B. A. (Sem. V) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

March – 2019

Hindi

(Prachin Hindi Kavya - 02)

(प्राचीन हिन्दी काव्य : बेली क्रिसन रूक्मणी री, ढोला मारू रा दूहा)

(वैकल्पिक)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

(२) कुल पाँच प्रश्न है ।

(३) अंक दाहिनी ओर दिये है ।

१ पृथ्वीराज राठौड के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सविस्तार प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ काव्य–स्वरूप की दृष्टि से ''बेली क्रिसन रूक्मणी री'' काव्य का मूल्यांकन कीजिए । १४

२ बेलीकार की बहुज्ञता पर प्रकाश डालते हुए ''बेली क्रिसन रूक्मणी री'' में व्यक्त मिथकीयता की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

२ बेली ग्रंथों की परम्परा पर प्रकाश डालते हुए इस परम्परा में ''बेली क्रिसन रूक्मणी री'' का स्थान निर्धारण कीजिए । १४

३ लोककथा का अर्थ एवं परिभाषाओं के आलोक में लोककथा के काव्य स्वरूप पर सविस्तार प्रकाश डालिए । १५

अथवा

३ ''ढोला मारू रा दूहा'' की कथा संक्षेप में लिखते हुए प्रेमाख्यान परम्परा में इस कृति का स्थान निर्धारण कीजिए । १४

४ ''ढोला मारू रा दूहा'' में आये चरित्रों का संक्षेप में परिचय देते हुए ढोला का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

४ ''ढोला मारू रा दूहा'' काव्य में व्यक्त प्रेम–निरूपण की चर्चा करते हुए काव्य में स्थित लोकगीतों में व्यक्त प्रेमभाव की चर्चा कीजिए । १४

५ किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'बेली क्रिसन रूक्मणी री' की रस–योजना ।

(२) 'बेली क्रिसन रूक्मणी री' शीर्षक की सार्थकता ।

(३) 'बेली क्रिसन रूक्मणी री' में व्यक्त कलापक्ष ।

(४) 'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त विरह वर्णन ।

(५) 'ढोला मारू रा दूहा' में अकाल वर्णन ।